140 पांडुलिपियां सहेज रहीं सदियों का ज्ञान

राज्य संग्रहालय में मध्यप्रदेश की पहचान बनती धरोहर की जीवंत किताब

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्यप्रदेश राज्य संग्रहालय में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियां प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान परंपरा और इतिहास को न केवल सहेजने का कार्य कर रही हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि मध्यप्रदेश ज्ञान और संस्कृति का कितना समृद्ध केंद्र रहा है. साथ ही ये संरक्षित पांडुलिपियां नई पीढ़ी को अपने अस्तित्व और विरासत से भी रूबरू करा रही हैं.

बता दें, मौजूदा समय में संग्रहालय में करीब 140 पांडुलिपियों का समृद्ध संग्रह है, जो 17 वीं 18 वीं और 19 वीं शताब्दी के कालखंड को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं. विशेषज्ञ

बताते हैं कि इन पांडुलिपियों को ताड़पत्र और हस्तनिर्मित कागज पर प्राकृतिक स्याही और रंगों से लिखा गया है. इसमें कई स्थानों पर अक्षरों को उकेरने के लिए दबाव तकनीक अपनाई गई जिससे शब्द लंबे समय तक सुरक्षित रह सके. जो कि उस दौर की वैज्ञानिक समझ को भी दर्शाती है.

पुरातत्व विशेषज्ञ बी.के. लोखंडे बताते हैं कि संग्रहालय में मौजूद पांडुलिपियों में रामचरितमानस, गीता, श्रीमद्भागवत महापुराण और गणेश पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथ शामिल हैं. इसके अलावा चिकित्सा पद्धति, निर्माण शास्त्र, व्रत कथाएं, राधा तंत्र, भूत डामर तंत्र और बिहारी सतसई जैसे साहित्यिक और तांत्रिक विषयों पर आधारित ग्रंथ भी संरक्षित हैं. जो कि 400 वर्ष पुरानी विविधता और समाज में ज्ञान को दर्शाती है. उन्होंने बताया कि संग्रह में संस्कृत भाषा में अधिकतर पांडुलिपियां हैं. जो देवनागरी लिपि में लिखी गयी हैं. इसके साथ ही उड़िया, फारसी और उर्दू भाषाओं के ग्रंथ भी मौजूद हैं. विशेषज्ञ लोखंडे बताते हैं कि कई पांडुलिपियों में सूक्ष्म और आकर्षक लघु चित्र बनाए गए हैं. रामायण पर आधारित एक पांडुलिपि में करीब 37 चित्र हैं जिनमें पात्रों और घटनाओं को रंगों के सुंदर संयोजन के साथ दर्शाया गया है. वहीं भागवत से जुड़ी पांडुलिपि में 38 से 40 चित्र अत्यंत बारीकी से बनाए गए हैं जो हस्तनिर्मित कागज पर रोल के रूप में सुरक्षित हैं.

ऐसे रखी जाती हैं वर्षों तक पांडुलिपियां सुरक्षित

विशेषज्ञ बताते हैं कि पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने के लिए तापमान और आर्द्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है. सिलिका जेल और कपड़े के माध्यम से नमी को नियंत्रित किया जाता है. साथ ही समय-समय पर इन्हें खोलकर हवा दी जाती है, ताकि फंगस और क्षति से बचाया जा सके.

गीत मानव का आदि सहचर है : निर्झर

लेखक संघ की गीत गोष्ठी में पढ़े गये सरस गीत

भोपाल, 27 अप्रैल. 'गीत मानव का आदि सहचर है' यह कहना था प्रख्यात नवगीतकार वीरेन्द्र निर्झर का, जो दुष्यंत कुमार संग्रहालय में मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक गीत गोष्ठी की अध्यक्षता करने बुरहानपुर से पधारे थे.

उन्होंने कहा कि जीवन का प्रारंभ ही लयात्मकता के साथ होता है और इसी लयात्मकता के कारण गीतों की स्वीकार्यता है. उनके गीत की पंक्तियां द्विअर्थी **चिकनी चुपड़ी बातें ऊपर, मन में भरी खटास, बूझा बहुत मगर अनबूझा रहा सदा आकाश.**

गोष्ठी के सारस्वत अतिथि इंदौर से पधारे प्रभु त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय पुरातन छंदों की रसात्मकता हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और यह सदैव अक्षुण्ण रहेगी. उन्होंने गीत को परिभाषित करते हुए मुक्तक पढ़ा –

'गीत है गंगा हृदय की, झर-झराता नीर है.
घात खाये आदमी की, कसमसाती पीर है..
कौन बैरी है जगत् में, जो न गाना चाहता,
शब्द की हर श्रंखला में, ज्ञान की तस्वीर है.'

गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने अपने श्रृंगारिक गीत में कहा –

'मेरी निर्दोष चदरिया पर
तुमने यह कैसा रंग किया.
मैं संयम व्रत ले बैठा था,
तुमने मेरा व्रत भंग किया ॥

'वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रभा मिश्रा की पंक्तियां थीं –

'स्वप्न में मिल जाए या सच्चाई में
जो मिला वह गीत का आधार है.'

विद्या वाणी ने पढ़ा –

'पल-पल जी ले पल पल को तू, मान आखिरी पल को.
बस चिंता कर आज अभी की, भूल बन्धु तू कल को.

मुंगावली से आये कवि मनोज दर्द ने अपने गीत में कहा–

'रोज नये षड्यंत्र देश में रचने वाले अपने हैं
मातम की चुभती बेला में हंसने वाले अपने है.'

खरगोन से पधारीं आरती डोंगरे के गीत की पंक्तियां थीं –

'पल-पल जी ले पल पल को तू, मान आखिरी पल को.
बस चिंता कर आज अभी की, भूल जा परसों कल को.'

डॉ. प्रतिभा द्विवेदी अपने गीत में कहा–

'गीत पथ है अति सुगम तुमसे किसने कह दिया
इसपे चल पाये वही गीत को जिसने जिया.'

हरदा के सुभाष सिटोके ने पढ़ा

'गीत सजाकर लाया हूं मैं, गीत सजाकर लाया हूं
खोटा है या खरा, नारियल खूब बजाकर लाया हूं.'

गोष्ठी में प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी, उपाध्यक्ष ऋषि श्रृंगारी, कौशल किशोर चतुर्वेदी ने भी अपने सरस गीतों का पाठ कर श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी. स्वागत वक्तव्य उपरांत गोष्ठी का संचालन राजेन्द्र गट्टानी ने तथा अंत में आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष सुनील चतुर्वेदी ने व्यक्त किया.

भोज विवि और जेजीएनडी पीएसओयू में एमओयू

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल तथा जगतगुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (जेजीएनडी पीएसओयू), पटियाला के मध्य सोमवार को ऑनलाइन माध्यम से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया.

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. (डॉ.) मिलिंद द दांडेकर तथा जेजीएनडी पीएसओयू की ओर से प्रो. (डॉ.) रत्तन सिंह ने अध्यक्षता की. अपने संबोधन में दोनों कुलपतियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के

मध्य शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध गतिविधियों, संकाय एवं विद्यार्थी आदान-प्रदान, ई-सामग्री विकास, क्षमता निर्माण तथा नवाचारोन्मुखी कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा. उन्होंने इसे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक आवश्यक और दूरगामी कदम बताया. समझौता ज्ञापन पर भोज विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. सुशील मंडेरिया, कुलसचिव तथा जेजीएनडी पीएसओयू की ओर से प्रो. (डॉ.) बलजीत सिंह खेहरा, कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षर किए गए. कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन निधि रावल गौतम, वरिष्ठ सलाहकार, सीका द्वारा किया गया.

कार्यक्रम में भोज विवि से डॉ. प्रज्ञा शुक्ला, डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. हेमंत सिंह केशवाल, नितिन सांगले, प्रो. बी.बी. शर्मा, डॉ. शुचि मिश्रा, डॉ. ए.ज़ेड. खान, डॉ.भारती शर्मा, संजय गुलाटी, डॉ. राजेश सक्सेना उपस्थित रहे.

कलचुरि कलार समाज का परिचय सम्मेलन आज

भोपाल, 27 अप्रैल. श्री सहस्त्रबाहु कलचुरी महासभा के तत्वावधान में 28 अप्रैल मंगलवार को भोपाल के लिंक रोड नंबर-3 स्थित कलचुरि भवन में कलचुरि कलार समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं महासभा का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम सुबह 10 से रात्रि 11 बजे तक चलेगा. प्रवक्ता राजेश राय ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे भगवान सहस्त्रबाहु जी की पूजा-अर्चना के साथ होगी. महासभा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एल.एन. मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल होंगे.

एक नजर में

मयंक क्रिकेट क्लब बना चैंपियन

भोपाल 27 अप्रैल. (खेल प्रतिनिधि). प्रथम शहीद भगत सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मयंक क्रिकेट क्लब और रेलवे यूथ क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिसमें मयंक क्रिकेट क्लब ने 41 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया. मुकाबला 40 ओवर का था. टॉस जीतकर मयंक क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया. टीम ने निर्धारित ओवरों में 191 रन बनाए. आर्यवीर मेघवानी ने 57 रन और इशान तिवारी 49 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. वही वेद पाठक ने 3 विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया और मेन ऑफ़ दी मैच का खिताब हासिल किया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे यूथ की टीम 150 रनों पर सिमट गई. ग्रन्थ प्रजापति ने 63 रन और युवराज ने 28 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. टूर्नामेंट में आर्यवीर मेघवानी बेस्ट बल्लेबाज, आदित्य सोलंकी बेस्ट गेंदबाज और ऋषभ पांडेय प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए. बेस्ट कोच का अवॉर्ड के .डी. गुप्ता को दिया गया.

विश्व पृथ्वी दिवस पर हुई ड्राइंग-पेंटिंग स्पर्धा

भोपाल, 27 अप्रैल. निर्भया फाउंडेशन द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 22 से 28 अप्रैल तक पृथ्वी दिवस जागरुकता पखवाड़ा मनाया जा रहा है. सोमवार को कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई. प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास के प्रति जागरूक करना था. 'जलवायु परिवर्तन: हमारे कार्य, हमारे परिणाम', 'सतत शहर: वह भविष्य जो हमें बनाना है', तथा 'धरती का कोई दूसरा विकल्प नहीं 'विषय पर विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया. मुख्य अतिथि अदिति बी सक्सेना (सहायक पुलिस आयुक्त, गोविंदपुरा), विशिष्ट अतिथि आशीष श्रीवास (उप निरीक्षक, महिला थाना) एवं सुरेखा अरमो (उप निरीक्षक, अरेरा हिल्स थाना) थे. निर्भया फाउंडेशन के शेर अफ़ज़ल खान, समर खान, मुब्सिरा मसूद, भारती नारवारे, एवं साइमा खान उपस्थित रहे. इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने संकल्प लिया कि वे प्रकृति की रक्षा करेंगे, प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे.

200 से अधिक बच्चे सीख रहे फुटबॉल खेलना

भोपाल 27 अप्रैल (खेल प्रतिनिधि). टी टी नगर स्टेडियम में चल रहे समर कैंप में इस बार फुटबॉल को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. फुटबॉल कोच देवेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, इस साल सिर्फ फुटबॉल में ही 200 से ज्यादा बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, और आगे संख्या बढ़ने की संभावना है. उन्होंने बताया हर साल नए और पुराने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना एक चुनौती होती है. इसे ध्यान में रखते हुए बच्चों को अलग-अलग आयु वर्ग और स्तर के हिसाब से बांटा गया है. ट्रेनिंग की शुरुआत वॉक, स्ट्रेचिंग और वार्म-अप से होती है, इसके बाद प्रैक्टिस और छोटे-छोटे मैच कराए जाते हैं. कोच के अनुसार, यहां से कई खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुके हैं. उन्होंने बताया कि मोनिशा सिंह नाम की खिलाड़ी अंडर-20 भारतीय टीम में खेल रही हैं और आगे वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला कप के लिए चुनी गई हैं.

सारांश बागड़े ने हासिल किए 97 .2 प्रतिशत अंक

भोपाल. राजधानी के होनहार छात्र सारांश बागड़े ने सीबीएसई की 10 वीं की परीक्षा में 97 .2% अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है. वह मनीष बागड़े का पुत्र और शशिकला बागड़े पूर्व सहायक संपत्ति प्रबंधक हाउसिंग बोर्ड कार्यालय का सुपौत्र हैं. परिजन, शिक्षकों सहित अन्य लोगों ने सारांश को बधाई दी है.

रॉयल निमाड़ ईगल्स महिला क्रिकेट टीम के लिए ट्रायल्स

- स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में हुआ ट्रायल्स
- 50 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के अंतर्गत आईसेक्ट समूह की महिला क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के लिए चयन ट्रायल्स का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल परिसर में किया गया.

ट्रायल्स के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई लगभग 50 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया.

ट्रायल में चयन समिति द्वारा खिलाड़ियों की तकनीकी दक्षता, फिटनेस, खेल की समझ एवं प्रतिस्पर्धी भावना जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को परखा. इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वात्स, डॉ. सीतेश कुमार सिन्हा, शुभ्रा गोयल आदि उपस्थित रहे.

'भोर का गीत' ने जगाई पर्यावरण चेतना

भोपाल, 27 अप्रैल. दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय में आयोजित अंतर्नाद नाट्य समारोह के पहले दिन नाटक भोर का गीत का मंचन हुआ. एसेंबल थियेटर इन एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय समारोह की शुरुआत एकल नाट्य प्रस्तुति से हुई.

नाटक को दीपक नेमा ने लिखा, निर्देशित और संगीतबद्ध किया. उज्ज्वल सिन्हा ने अपने अभिनय से इसे जीवंत बनाया. यह नाटक बच्चों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है. कहानी में एक बच्चे की कल्पनाओं और उसके मन में उठते सवालों के जरिए पर्यावरण और प्रकृति के साथ

हमारे संबंध को दिखाया गया है. नाटक सरल भाषा और काव्यात्मक शैली में यह संदेश देता है कि पर्यावरण की चिंता आज कितनी जरूरी है.

उज्ज्वल सिन्हा ने एकल अभिनय में कई भावों को सहज तरीके से प्रस्तुत किया. उनकी आवाज, हावभाव और मंच पर उपस्थिति ने दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा. नाटक में संगीत और प्रकाश का उपयोग भी प्रभावी रहा, जिससे कहानी और अधिक भावपूर्ण बन गई. सादगी भरी मंच सज्जा ने कल्पना को और विस्तार दिया. यह नाटक दर्शाता है कि रंगमंच केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का मजबूत माध्यम भी है.

समारोह के दूसरे दिन मंगलवार को 'बियोंड बाइनरी' नाटक का मंचन किया जाएगा, जो समाज में पहचान और स्वीकृति के मुद्दों को नए नजरिए से प्रस्तुत करेगा. यह प्रस्तुति शाम 7 बजे शुरू होगी.

अमरनाथ के लिए 3 अगस्त तक बनेंगे यात्रा परमिट

भोपाल, 27 अप्रैल. अमरनाथ यात्रा के लिए फिलहाल 3 अगस्त तक परमिट बनाए जाएंगे. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त रक्षाबंधन पर चलेगी. अमरनाथ यात्री को यात्रा परमिट बनवाने से पहले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा अधिकृत डॉक्टरों से हेल्थ सर्टिफिकेट बनवाना अनिवार्य होता है. अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने निर्णय लिया है फिलहाल 3 अगस्त तक ही यात्रा परमिट बनाए जाएंगे. उचित समय आने पर आगे की तारीखों के रजिस्ट्रेशन किए जाएंगे.

मेडिकल विद्यार्थियों ने किया बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल, 27 अप्रैल. नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन मध्य प्रदेश एवं अनंत आरोग्य जनकल्याण समिति के सहयोग से आनंद धाम वृद्ध जन सेवा केंद्र में सेवा एवं स्वास्थ्य जांच का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर एलन मेडिकल कॉलेज गांधी मेडिकल कॉलेज आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं एम्स भोपाल के मेडिकल छात्र एवं चिकित्सक उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा विद्यार्थियों एवं डॉक्टरों ने वृद्धजनों का हालचाल जाना और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया.

सेवा सदन को उत्कृष्ट नेत्र चिकित्सालय पुरस्कार

भोपाल, 27 अप्रैल. सिक्स सिग्मा हेल्थ केयर संस्था ने दिल्ली में गांधी नगर भोपाल स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को वर्ष 2025-26 का श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय पुरस्कार प्रदान किया है. पुरस्कार में एक ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये.

यह पुरस्कार अभिनेता राणा डग्गुबत्ती (बाहुबली फेम) ने ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी और प्रबंधक महेश लेखवानी को प्रदान किया. चिकित्सालय को यह पुरस्कार मध्यभारत अंचल में उत्कृष्ट नेत्र सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने के फलस्वरूप दिया गया है. पुरस्कार वितरण समारोह में

चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल डी.के. त्रिपाठी, सांसद और अभिनेत्री हेमामालिनी, जया प्रदा, सुधा चंद्रन, अभिनेता राजपाल यादव, अभिनेता रंजीत, भजन गायक कैलाश खेर, कॉमेडियन वीआईपी, भारतीय (पंजाबी) पॉप सिंगर दलेर मेहंदी उपस्थित थे.

10 राज्यों के 60 से अधिक बुनकरों की कला का प्रदर्शन

- गौहर महल में स्टेट हैंडलूम एक्सपो शुरू

भोपाल 27 अप्रैल. शहर के गौहर महल में सोमवार से स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026 की शुरुआत हुई. यह एक्सपो 10 मई तक चलेगा. इसका उद्देश्य देशभर के बुनकरों और हस्तशिल्प कलाकारों को एक मंच देना और उन्हें सीधे ग्राहकों से जोड़ना है.

इस एक्सपो में देश के करीब 10 राज्यों से 60 से ज्यादा बुनकर पहुंचे हैं. यहां मध्यप्रदेश की चंदेरी और महेश्वरी साड़ियों के साथ बनारसी, भागलपुरी सिल्क, इकत और कई पारंपरिक कपड़े लोगों को आकर्षित कर रहे हैं. हर स्टॉल पर हाथ से बने कपड़ों की खास कारीगरी और डिजाइन देखने को मिल रही है. एक्सपो का शुभारंभ कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने किया. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से शिल्पियों को पहचान मिलती है और उनकी आय बढ़ती है. एक्सपो प्रभारी अरविंद शर्मा ने नवभारत को बताया कि यह मंच हस्तशिल्प और हैंडलूम कलाकारों के लिए बहुत अच्छा मौका है, जहां वे अपनी कला दिखा सकते हैं और आमदनी भी कर सकते हैं.

विज्ञान मंथन यात्रा : विद्यार्थियों में जगी वैज्ञानिक सोच

भोपाल, 27 अप्रैल. विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं बल्कि अनुभव और प्रयोग से जीवन में उतरता है. यह बात विज्ञान मंथन यात्रा के 18 वें संस्करण में कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कही. कार्यक्रम का समापन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा विज्ञान भवन में किया गया. सप्ताहभर चली इस यात्रा का समापन समारोह में विद्यार्थियों को देश के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया. साथ ही प्रतिभागियों ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र बेंगलुरु में इसरो के अनुसंधान, प्रतिष्ठान, इंडियन डीप स्पेस, नेटवर्क और चेन्नई के वैज्ञानिक संग्रहालयों सहित प्लेनेटोरियम का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया.

मोटर रेसिंग इवेंट का समापन | टू व्हीलर 250 सीसी श्रेणी में आमिर अव्वल

क्वींस ऑफ रेस में आराफिया बुखारी प्रथम

निज संवाददाता

भोपाल, 27 अप्रैल. नीलबड़ स्थित आरपीएम गो-कार्टिंग ट्रैक पर आयोजित मोटर रेसिंग इवेंट का समापन हुआ. भोपाल में पहली बार एंड्यूरेंस रेसिंग पर आधारित यह आयोजन हुआ, जिसमें 47 रेसर्स ने हिस्सा लिया.

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था. अलग-अलग कैटेगरी में रेस आयोजित की गईं. इनमें वूमेंस एंड्यूरेंस गो-कार्टिंग रेस सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रही. बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपनी ड्राइविंग

क्षमता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया. प्रतिभागियों ने गो-कार्टिंग वाहनों के जरिए रफ्तार और रोमांच का अनुभव किया.

कार्यक्रम में एक्सीलेंस टाइम एंटरटेनमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार देकर उनका उत्साह बढ़ाया. इस मौके पर अपेक्षा डबराल, मनीषा आनंद, पारूल, मयूरी सूर्यवंशी और मोटिवेटर आमिर महबूब भी उपस्थित रहे.

संयोजक दानिश अफगानी ने बताया कि यह प्रतियोगिता फेडरेशन ऑफ मोटर क्लब्स ऑफ इंडिया से अधिकृत थी. आयोजन में सभी सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा गया. रेस के दौरान ड्राइवर्स के लिए हेलमेट, रेसिंग सूट और ग्लव्स अनिवार्य किए गए थे. ट्रैक पर मेडिकल टीम और एम्बुलेंस भी तैनात रही.